केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 200 मंगलवार 10 फरवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

सदन में पेश हुई प्रदेश सरकार की पहली आर्थिक समीक्षा, राज्य में बढ़ी है प्रति व्यक्ति आय

लखनऊ (आभा)। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन उत्तर प्रदेश की पहली आर्थिक समीक्षा सदन के पटल पर प्रस्तुत की। समीक्षा में प्रदेश की अर्थव्यवस्था, निवेश, प्रति व्यक्ति आय, राजकोषीय स्थिति और क्षेत्रीय योगदान को विस्तार से सामने रखा गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने बीते आठ वर्षों में विस्तार किया है। वर्ष 2016–17 में रू 13.30 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था, वर्ष 2024–25 में बढ़कर रू 30.25 लाख करोड़ पार कर चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में इसके रू 36 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। यह वृद्धि उत्तर प्रदेश को देश की सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्थाओं में मजबूती से स्थापित करती है।

वित्त मंत्री ने सदन में कहा कि आज हम सब एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रहे हैं, जब उत्तर प्रदेश भी भारत सरकार की तरह अपनी आर्थिक समीक्षा पहली बार सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है। प्रदेश की आर्थिक समीक्षा केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राज्य की प्रगति, जनता की आकांक्षाओं और भविष्य की संभावनाओं का जीवंत दस्तावेज है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक, उत्तर प्रदेश आज नई आर्थिक दृष्टि और ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्यों की ओर अग्रसर है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था 25 करोड से अधिक नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जो इसे कृषि उत्पादन, औद्योगिक विकास और तकनीकी नवाचार का प्रमुख केंद्र बना रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि एक समय निवेशकों की प्राथमिकता सूची में न रहने वाला उत्तर प्रदेश अब औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। पारदर्शी नीतियों, समयबद्ध स्वीकृतियों और 'ट्रिपल एस' (सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड) की गारंटी के चलते प्रदेश को अब तक ₹50 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह निवेश वातावरण में आए निर्णायक बदलाव को दर्शाता है। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान वर्ष 2016दृ17 के 8.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2024दृ25 में 9.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह वृद्धि प्रदेश की आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय विकास में बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है।

समीक्षा में बताया गया कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय में गिरावट के लंबे रुझान को पलटा है। वर्ष 2016–17 में रू 54,564 रही प्रति व्यक्ति आय (प्रति व्यक्ति निवल उत्पाद) वर्ष 2024–25 में बढ़कर रू 1,09,844 हो गई है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए इसके रू 1,20,000 तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। राष्ट्रीय औसत की तुलना में भी प्रति व्यक्ति आय अनुपात में सुधार दर्ज किया गया है। 2014–15 में यह राष्ट्रीय औसत का केवल 50. 2: रह गई थी, जबकि 2024–25 में गिरावट के रुख में बदलाव करते हुए प्रतिव्यक्ति अनुपात बढ़कर 53.5: हो गया। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2024–25 में प्रदेश की जीएसडीपी में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की हिस्सेदारी 25.8 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र की 27.2 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र की 47 प्रतिशत रही है। यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था अब केवल कृषि आधारित न रहकर बहु–क्षेत्रीय विकास की ओर अग्रसर है। वित्त मंत्री ने बताया कि प्रदेश के बजट आकार में भी विगत 9 वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2016–17 में रू 3.47 लाख करोड़ का बजट अब बढ़कर वर्ष 2025–26 में रू 8.33 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। समीक्षा में बताया गया कि यह वृद्धि 4.86 लाख करोड़) पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में कहीं अधिक तेज रही है। 2008–09 से 2016–17 (8 वर्ष) में यह वृद्धि मात्र 2.34 लाख करोड़ थी।

एक नजर

आजाद समाज पार्टी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष ने खुद रची थी अपने अपहरण की साजिश!

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के रुधौली क्षेत्र के बीजलपुर गांव निवासी और आजाद समाज पार्टी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सोनू चौधरी का पता पुलिस ने लगा लिया। सोमवार को उन्हें पुलिस ने खोज निकाला। अपहरण को लेकर भी रुधौली पुलिस ने बड़ा दावा किया है। एसएचओ संजय दुबे का कहना है कि कुछ लोगों से सोनू चौधरी ने पैसा उधार ले रखा था। इसे लौटाने के लिए उन पर दबाव बन रहा था। इससे बचने के लिए ही उसने खुद के अपहरण की साजिश रच डाली। प्रकरण में सोनू चौधरी के बड़े भाई संजय चौधरी ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था।

पुलिस टीमें लखनऊ समेत अन्य जनपदों में संभावित स्थानों पर उनकी खोजबीन में जुटी थी। बड़े भाई ने तहरीर में आरोप लगाया गया है कि छह फरवरी की रात करीब नौ बजे कोहरा नहर पुलिया के पास से सोनू चौधरी का अपहरण किया गया। उसकी तलाश के लिए आठ टीमें गठित की गई थीं। आसपास के लोगों से पूछताछ और क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों को खंगालने के साथ ही पुलिस पूरे घटनाक्रम को संदिग्ध मान रही थी। सोनू चौधरी की तलाश पूरी होने के साथ ही पूरा घटनाक्रम सामने आ गया। सीओ रुधौली सोमवार को थाने पर इस पूरे घटनाक्रम से पर्दा उठाएंगे।

दो बाइकों की टक्कर: दो लोग घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में बस्ती–बांसी मार्ग पर पुरैना चौराहे के पास दो बाइकों की आमने–सामने की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, मझौआमीर निवासी गुड्डू पुत्र जोवाद अपनी बाइक से बस्ती से रुधौली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान, बनकसिया निवासी विनय पुत्र ओमप्रकाश रुधौली से बस्ती की तरफ आ रहे थे। पुरैना चौराहे पर दोनों बाइकों की जोरदार भिड़ंत हो गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवारों के सिर पर गंभीर चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, एक घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद के सोनहा थाना क्षेत्र में पचमोहिनी भट्टे के पास एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मुन्ना माइकल और सिराज मौके पर पहुंचे। उन्होंने डायल 108 एंबुलेंस की मदद से घायल व्यक्ति को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सल्टौआ गोपालपुर पहुंचाया। घायल बाइक सवार की पहचान ग्राम मुंगरहा निवासी वकील चंद्रपुत्र के रूप में हुई है। सोनहा थाना पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और आगे की जांच में जुट गई है।

राज्यपाल पढ़ती रहीं अभिभाषण, सपा लगाती रही गर्वनर गो बैक के नारे

लखनऊ (आभा)। विधानमंडल के बजट सत्र की सोमवार को शुरुआत से पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की उपलब्धियों का बखान करना शुरू ही किया था कि समाजवादी पार्टी के सदस्य नारे लिखे पोस्टर और राजमाता अहिल्याबाई होलकर की तस्वीरें लेकर वेल में आ गए और हंगामा करने लगे। करीब 35 मिनट के राज्यपाल के संबोधन के दौरान सपा सदस्य लगातार हंगामा करते रहे। हालांकि राज्यपाल ने अभिभाषण पढ़ना जारी रखा। राज्यपाल के विधानसभा के मुख्य मंडप में आने से पहले ही सपा सदस्य लगातार नारेबाजी कर रहे थे। करीब 11 बजे राज्यपाल के आने पर संयुक्त अधिवेशन की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद 11ः05 बजे विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल से अभिभाषण पढ़ने का अनुरोध किया तो सपा सदस्य संग्राम सिंह मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के मुद्दे पर अपनी बात कहने लगे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनसे कहा कि सत्र के दौरान सबको हर मामले पर अपनी बात रखने का मौका दिया जाएगा। हालांकि सपा सदस्यों ने विरोध करना शुरू कर दिया और सभी वेल में आकर श्गवर्नर मैडम गो बैकश् का नारा लगाने लगे। सपा सदस्यों के शोर मचाने पर राज्यपाल ने कहा कि इतना चिल्लाने से गला बैठ जाएगा। सपा सदस्य भाषण बंद करो के नारे लगाते रहे, जबकि भाजपा और उसके सहयोगी दल राज्यपाल द्वारा गिनाई जा रहीं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का मेज थपथपाकर सराहना करते रहे। राज्यपाल ने प्रदेश के 121 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में 51 एक्सीलेंस सेंटर और 251 स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना का जिक्र करने के दौरान सपा सदस्यों के शोरगुल पर तंज कसते हुए कहा कि आपके समय में यह सब जीरो था। उन्होंने आगे कहा कि पांच साल तक जीरो पर ही रहे। उन्होंने हाथ से जीरो की आकृति बनाकर सपा सदस्यों को आईना दिखाते हुए कुछ और भी कहा, जिसके बाद सपा सदस्यों ने तेज आवाज में हूटिंग शुरू कर दी। इसकी वजह से राज्यपाल की बात नहीं सुनी जा सकी। सपा सदस्यों द्वारा हंगामा करने के दौरान विधायक पल्लवी पटेल अपनी जगह पर बैठी रहीं। उन्हें कई बार सपा सदस्यों ने वेल में आने को कहा, लेकिन उन्होंने अनसुना कर दिया। वहीं सपा के बागी विधायक भी अपनी जगहों पर बैठे रहे। प्रदेश की मजबूत कानून–व्यवस्था की बदौलत राज्य सरकार को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इसी वजह से राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण में कानून–व्यवस्था को राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता बनाया गया है। प्रदेश सरकार ने अपराध पर काबू पाने के लिए पुलिस को खुली छूट देने के साथ बीते नौ साल में गृह विभाग के बजट में 150 फीसद की वृद्धि की है। अभिभाषण में खासकर माफिया पर हुई कार्रवाई का ब्योरा दिया गया है। प्रदेश पुलिस ने नवंबर 2019 से अब तक 35 माफिया और उनके 94 सहयोगियों को अलग–अलग मुकदमों में आजीवन कारावास समेत अन्य सजाओं से दंडित कराने में सफलता हासिल की है। बीते नौ वर्ष के दौरान कुल 267 अपराधी मुठभेड़ में ढेर किए गए। इसके अलावा 977 पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) की कार्रवाई की गई। वहीं माफिया और अपराधियों की 4137 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को जब्त किया गया है। वहीं भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बीते नौ वर्ष के दौरान 999 सफल ट्रैप ऑपरेशन किए गए, जिसमें 2081 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने चौपाल लगाकर दिया बजट से फायदे की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गनेशपुर के चैनपुर में पूर्व विधायक दयाराम चौधरी की चौपाल, केंद्रीय बजट 2026–27 के प्रमुख प्रावधानों पर हुई विस्तृत चर्चा, विकसित भारत का यह बजट मील का पत्थर साबित होगा

बस्तीरूः विधानसभा क्षेत्र बस्ती सदर के गनेशपुर चौनपुर में पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने चौपाल लगाकर स्थानीय ग्रामीणों व वार्डवासियों को वित्त वर्ष 2026–27 के केंद्रीय बजट के मुख्य बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी। चौपाल में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे, जहां बजट के प्रावधानों को सरल भाषा में समझाया गया और उनके स्थानीय प्रभावों पर चर्चा की गई।

पूर्व विधायक ने बताया कि केंद्रीय बजट 2026–27 का फोकस विकास, रोजगार सृजन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और बुनियादी ढांचे के विस्तार पर है। बजट में पूंजीगत व्यय बढ़ाकर सड़कों, रेल, बिजली, जलमार्ग और आवास परियोजनाओं को गति देने का प्रावधान किया गया है, जिससे गांव–कस्बों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए इस बजट में विशेष ध्यान दिया गया है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि से जुड़े स्टार्टअप, भंडारण, सिंचाई और तकनीक आधारित खेती को बढ़ावा देने की योजनाएं शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योगों और मूल्य संवर्धन पर भी जोर दिया गया है, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम मिल सके।

युवाओं और रोजगार के मुद्दे पर बोलते हुए दयाराम चौधरी ने कहा कि बजट में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा गया है। इससे युवाओं को नई तकनीकों में प्रशिक्षण मिलेगा और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश बढ़ाकर स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने बताया कि डेडम और छोटे व्यापारियों के लिए बजट में सस्ते ऋण, क्रेडिट गारंटी और फंडिंग सपोर्ट की व्यवस्था की गई है, जिससे छोटे उद्योग आगे बढ़ सकें और स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा हो। इसके साथ ही डिजिटल और तकनीकी क्षेत्रों में निवेश से व्यापार को नई दिशा मिलेगी। आगे विधायक दयाराम चौधरी ने कहा "केंद्रीय बजट 2026–27 एक दूरदर्शी और विकासोन्मुखी बजट है। इसमें किसान, युवा, महिलाओं और छोटे व्यापारी सभी को ध्यान में रखा गया है। बुनियादी ढांचे पर बढ़ा निवेश हमारे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर लाएगा। हमारा प्रयास है कि सरकार की योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर वर्ग को विकास से जोड़ा जाए।"

चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, पानी, बिजली और रोजगार से जुड़ी स्थानीय समस्याएं भी रखीं। पूर्व विधायक ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित स्तर पर समाधान कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का समापन जागरूकता संदेश और संवाद के साथ हुआ। इस अवसर पर उमेश तिवारी, बालमुकुंद मिश्रा, राकेश पांडेय, संतराज चौहान, शिवनारायन चौधरी (सभासद),दुर्गा प्रसाद चौधरी, जितेंद्र उर्फ गुड्डू (सभासद) धर्मेंद्र यादव, मोनी तिवारी, अर्जुन चौधरी, नंदकिशोर यादव, आशीष चौधरी, उदयभान चौधरी, चंद्रभान चौधरी, राजन पांडेय, करन चौधरी, महेंद्र चौधरी, विनोद चौधरी, अभिषेक चौधरी, महेंद्र चौधरी, लालचन्द चौधरी, देवेन्द्र सहित अन्य सभी लोग उपस्थित रहे।

दारोगा का शव मिलने से सनसनी:भाई, पत्नी ने दिया धरना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अयोध्या में सरयू नदी में रविवार को सीनियर दरोगा अजय कुमार गोंड का शव मिला था। यह पता चलते ही दरोगा क एडीएम भाई अरुण कुमार और उनकी पीसीएस पत्नी अंजू (ट्रेजरी ऑफिसर, इटावा) ने बस्ती में धरना शुरू कर दिया था। एडीएम भाई ने आरोप लगाया कि यह प्लांड मर्डर है। पुलिस ने अपना काम ठीक से नहीं किया। पूरे थाने को सस्पेंड कर सीओ पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। दरोगा के भाई–भाभी करीब 2 घंटे तक धरने पर बैठे रहे। इसके बादएडीएम कीर्ति प्रकाश भारती और एएसपी श्यामकांत, सीओ सदर सतेंद्र भूषण तिवारी धरने पर बैठे दरोगा के भाई–भाभी से मिलने पहुंचे। उन्हें मनाकर वहां से डीआईजी के पास ले गए। अरुण और दरोगा के अन्य घरवालों ने रेंज ऑफिस में बस्ती के डीआईजी संजीव त्यागी से मुलाकात की। डीआईजी ने बताया कि अजय कुमार गोंड के परिजन रेंज ऑफिस में मिलने आए थे। परिवार को घटना में साजिश की आशंका है। सभी परिजन काफी दुखी हैं। शिकायत और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात रहे कि 8 फरवरी को अयोध्या की सरयू नदी में दरोगा अजय कुमार गोंड का शव मिला था। वह ड्यूटी के दौरान 5 फरवरी की शाम थाने से निकले थे।

यूजीसी की नीतियों के खिलाफ सवर्ण समाज का हल्लाबोल, विशाल जुलूस निकालकर जताया विरोध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा हाल ही में जारी किए गए दिशा–निर्देशों से जुड़ी नीतियों के विरोध में सोमवार को सवर्ण समाज के लोग सड़कों पर उतर आए। सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवाओं, अधिवक्ताओं, बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने जीआईसी (राजकीय इंटर कॉलेज) के मैदान से कचहरी तक पैदल मार्च निकालकर अपनी नाराजगी जाहिर की और सरकार से इन विवादास्पद नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की। इसमें सिविल बार एसोसिएशन के महामंत्री मारूत कुमार शुक्ला, संतोष तिवारी अन्य तमाम लोग शामिल रहे।

पूर्वाह्न 11 बजे से ही प्रदर्शनकारी जीआईसी मैदान में जुटना शुरू हो गए थे। यहां से शुरू हुआ जुलूस शहर के मुख्य मार्ग गांधी नगर से होता हुआ कचहरी परिसर पहुंचा। जुलूस के दौरान प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां और बैनर लिए हुए थे, जिन पर श्यूजीसी की तानाशाही नहीं चलेगी और श्समान अवसर का अधिकार जैसे नारे लिखे थे। प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए शहर की यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई, जिसे सुचारू बनाने के लिए पुलिस बल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कचहरी पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने एक सभा की, जहां वक्ताओं ने यूजीसी की वर्तमान नीतियों को सवर्ण समाज के मेधावी युवाओं के हितों के खिलाफ बताया। इसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि हम किसी वर्ग के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यूजीसी के नए नियम सामान्य वर्ग के प्रतिभावान छात्रों के भविष्य को अंधकार में डाल रहे हैं। यदि सरकार ने समय रहते इन विसंगतियों को दूर नहीं किया और काला कानून वापस नहीं लिया, तो यह आंदोलन और भी उग्र रूप धारण करेगा।

विश्व हिन्दू महासंघ ने एसपी को सौंपा पत्रः गैर राज्यों से आकर फेरी लगाने वालों की जांच, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर संदिग्ध फेरी लगाकर व्यापार करने वालों की सघन जांच और प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में अखिलेश सिंह ने पैकोलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में फेरी लगाने वाले के द्वारा दुराचार किये जाने के दुर्भाग्यपूर्ण घटना का उल्लेख करते हुये कहा है कि कुछ फेरी वाले बिहार, बंगाल व अन्य राज्यों से बस्ती आकर फेरी लगाने का व्यापार करते हैं। इनमें से यदि कड़ाई से जांच कराया जाय तो स्पष्ट हो जायेगा कि अनेक बाहर से आकर फेरी लगाने वालों का आपराधिक इतिहास है और वे अपने कृत्यों से बचने के लिये यहां फेरी लगाने की आड में गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी, विवेक श्रीवास्तव ने पुलिस अधीक्षक से मांग किया कि दूसरे राज्यों से आकर फेरी लगाने वालों की सघन जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करें।

श्री वशिष्ठ रामायण कथा के निमित्त भूमि पूजन में उमड़े लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । गोटवा कस्बे के निकट बढ़नी मिश्र गांव मे महर्षि वशिष्ठ आश्रम में 18 से 26 फरवरी तक विविध कार्यक्रमों के साथ प्रस्तावित श्री वशिष्ठ रामायण कथा के निमित्त सोमवार को कथास्थल का विधि विधान से भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। मुख्य यजमान भागवत प्रसाद मिश्र, कपीश मिश्र व श्रीमती ऊषा मिश्र, अयोध्या धाम के महापौर एवं तीन कलश मंदिर के महंत गिरिजेश पति त्रिपाठी ने पूजन हवन कर आयोजन का शुभारम्भ किया।

सत्यनारायण मिश्र, साधना मिश्र, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', श्रीमती मंजू पाण्डेय सहित तमाम विशिष्ट जन मौजूद रहे। गिरिजेश पति त्रिपाठी ने कहा वशिष्ठ की पावन भूमि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र बन रहा है। समूचे देश में इस पावन भूमि के महत्व को लेकर चर्चायें हो रही हैं। बस्ती जनपद ने दुनिया को राम दिया और गुरू वशिष्ठ ने उन्हें शिक्षा देकर मर्यादा पुरूषोत्तम बनाया। अयोध्या में भव्य, दिव्य राममंदिर स्थापित होने के बाद गुरू वशिष्ठ की धरती का महत्व कई गुना बढ़ गया है। यहां से विकास की अनंत संभावनायें जुड़ी हैं।

उन्होने कथा को सार्थक बनाने के लिये जनपदवासियों से अपील किया। आयोजन के बारे मे विस्तार से जानकारी देते हुये मुख्य सेवादार राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि वशिष्ठ आश्रम से 11 फरवरी को सुबह 9.00 बजे आमंत्रण रथयात्रा निकाली जायेगी जो अयोध्या पहुचेगी। यहां भगवान राम के परिवार सहित अन्य विशिष्ट जनों को कथाश्रवण के लिये आमंत्रित किया जायेगा। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भगवान राम के परिवार की ओर से आमंत्रण स्वीकार करेंगे। पूरा आयोजन बड़ा दिव्य और भव्य होने वाला है। सैकड़ों सेवादार मनोयोग से आयोजन को सफल बनाने मे जुटे हैं। भूमि पूजन के साथ ही कार्यक्रमों की शुरूआत हो चुकी है। भूमि के पूजन के बाद कलाकारों ने मनमोहक भजन प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन मयंक श्रीवास्तव ने किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष सतीश मिश्र, गुरुदत्त मिश्र, संतोष मिश्र, विजय मिश्र, राकेश मिश्र, पण्डित सरोज कुमार मिश्र, अभिषेक पाण्डेय, चन्द्रमणि मिश्र, आशीष सिंह, कैलाश मोहन श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, रणजीत सिंह, श्रुति अग्रहरि, धीरज सरीन सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता" –वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 फरवरी 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

डिजिटल दुनियां का शिकार बचपन

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है. खिलौनों, मैदानों और दोस्तों की जगह मोबाइल स्क्रीन ने ले ली है. यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि धीरे–धीरे हमारी आंखों के सामने पनपा. गाजियाबाद की तीन नाबालिग बहनों और भोपाल के एक 14 साल के बच्चे की मौत ने इस सच्चाई को बेरहमी से उजागर कर दिया है कि डिजिटल दुनिया अब सिर्फ मनोरंजन नहीं रही, बल्कि कई मासूम जिंदगियों के लिए मानसिक जाल बन चुकी है. ये घटनाएं कोई इत्तेफाक नहीं हैं, बल्कि उस सिस्टम का नतीजा हैं जहां बच्चों की सुरक्षा से ज्यादा अहमियत डिजिटल मुनाफे को दी जा रही है.भारत में इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच ने पिछले एक दशक में क्रांति ला दी. सरकारी और निजी रिपोर्टों के मुताबिक आज देश में 80 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर हैं और इनमें करीब एक तिहाई बच्चे और किशोर हैं. एक औसत भारतीय बच्चा रोजाना 3 से 6 घंटे स्क्रीन पर बिता रहा है. कोरोना महामारी के दौरान यह समय और बढ़ा. ऑनलाइन पढ़ाई ने मोबाइल को बच्चों की जिंदगी का अनिवार्य हिस्सा बना दिया. लेकिन पढ़ाई खत्म होने के बाद वही मोबाइल गेमिंग, सोशल मीडिया और ऑनलाइन चैलेंज का प्रवेश द्वार बन गया. धीरे–धीरे बच्चों के लिए असली दुनिया उबाऊ और स्क्रीन के भीतर की दुनिया ज्यादा आकर्षक लगने लगी.

ऑनलाइन गेमिंग का मनोविज्ञान बेहद जटिल है. कई गेम्स और टास्क–बेस्ड ऑनलाइन ट्रेंड इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि यूजर को लगातार अगला स्तर पूरा करने की बेचैनी बनी रहे. हर टास्क पूरा होने पर दिमाग में डोपामिन रिलीज होता है, जो खुशी और संतुष्टि का एहसास देता है. यही प्रक्रिया बार–बार दोहराई जाती है और लत बन जाती है. बच्चों का दिमाग, जो अभी विकास की अवस्था में होता है, इस प्रभाव को समझ नहीं पाता. वे यह फर्क नहीं कर पाते कि गेम का दबाव और असली जिंदगी की अहमियत क्या है. गाजियाबाद की तीनों बहनों के मामले में भी शुरुआती जांच यही संकेत देती है कि वे एक टास्क–बेस्ड ऑनलाइन गेम से भावनात्मक रूप से जुड़ चुकी थीं, जहां गेम पूरा करना ही उनका लक्ष्य बन गया था.समस्या सिर्फ गेमिंग तक सीमित नहीं है. सोशल मीडिया एल्गोरिदम भी इसी सिद्धांत पर काम करते हैं. रील्स, शॉर्ट वीडियो और लाइक–शेयर का सिस्टम बच्चों को लंबे समय तक स्क्रीन से बांधे रखता है. कंपनियों का मुनाफा यूजर के समय पर निर्भर करता है. जितना ज्यादा समय बच्चा स्क्रीन पर रहेगा, उतना ज्यादा डेटा, उतना ज्यादा विज्ञापन और उतनी ज्यादा कमाई. लेकिन इस दौड़ में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की कीमत कोई नहीं गिनता. भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के लिए बच्चों की सुरक्षा को लेकर नियम तो हैं, लेकिन वे या तो अधूरे हैं या सख्ती से लागू नहीं होते।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि डिजिटल एडिक्शन बच्चों में अकेलापन, चिड़चिड़ापन, नींद की कमी और अवसाद को बढ़ाता है. कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों के व्यवहार में आक्रामकता और सामाजिक दूरी पैदा करता है. बच्चे परिवार से कटने लगते हैं और ऑनलाइन दुनिया में मिले अनजान लोगों या कैरेक्टर्स से ज्यादा जुड़ाव महसूस करने लगते हैं. यही स्थिति उन्हें आसानी से मैनिपुलेट होने के खतरे में डाल देती है. ब्लू व्हेल, मोमो चौलेंज या अन्य टास्क–बेस्ड ट्रेंड इसी मानसिक कमजोरी का फायदा उठाते हैं.दुनिया के कई देशों ने इस खतरे को गंभीरता से लिया है. चीन ने बच्चों के लिए ऑनलाइन गेमिंग पर सख्त समय सीमा तय की है. वहां 18 साल से कम उम्र के बच्चे तय घंटों से ज्यादा गेम नहीं खेल सकते. दक्षिण कोरिया ने भी रात के समय बच्चों के गेमिंग पर रोक जैसे नियम लागू किए. यूरोप के कई देशों में सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों के डेटा और मानसिक सुरक्षा के लिए जवाबदेह ठहराया गया है. वहां उम्र सत्यापन, कंटेंट फिल्टर और पैरेंटल कंट्रोल को अनिवार्य बनाया गया है. इसके उलट भारत में ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस और स्पष्ट नीति अब भी अधूरी है।

माता–पिता की भूमिका भी इस संकट में अहम है, लेकिन उन्हें पूरी तरह दोषी ठहराना सही नहीं होगा. बदलती तकनीक की रफ्तार के साथ पैरेंट्स खुद जूझ रहे हैं. कई बार वे बच्चों की ऑनलाइन भाषा, गेम्स या प्लेटफॉर्म्स को समझ ही नहीं पाते. जब समस्या नजर आती है, तब तक हालात बिगड़ चुके होते हैं. डांट, मोबाइल छीनना या सख्ती अक्सर बच्चों को और ज्यादा दूर धकेल देती है. विशेषज्ञ मानते हैं कि संवाद, भरोसा और भावनात्मक जुड़ाव ही इसका सबसे बड़ा समाधान है. बच्चों को यह महसूस होना चाहिए कि वे अपनी उलझनें परिवार के साथ साझा कर सकते हैं.यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है. क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए. क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों. जब दूसरे देश यह कर सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं. डिजिटल दुनिया से बच्चों को पूरी तरह दूर करना संभव नहीं है, लेकिन उन्हें बिना सुरक्षा के छोड़ देना भी एक तरह की लापरवाही है.गाजियाबाद और भोपाल की घटनाएं हमें यह याद दिलाती हैं कि तकनीक जितनी ताकतवर है, उतनी ही खतरनाक भी हो सकती है, अगर उसका इस्तेमाल बिना संतुलन के हो. यह सिर्फ एक परिवार या एक शहर की कहानी नहीं है. यह पूरे समाज के लिए चेतावनी है. अगर अब भी नीति, समाज और परिवार एक साथ नहीं आए, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ सकती हैं. तब हमारे पास अफसोस के अलावा कुछ नहीं बचेगा. बच्चों का भविष्य डिजिटल बाजार के हवाले करना सबसे बड़ा जोखिम है, जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कहीं यूपी में योगी को घेरने की तो नहीं हो रही कोशिश

–राजेश श्रीवास्तव–

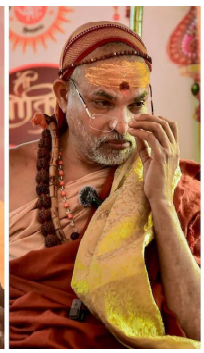

देश में इन दिनों एक अलग तरह का माहौल छाया हुआ है और दिलचस्प यह है कि उसका सबसे अधिक असर उत्तर प्रदेश में ही देखने को मिल रहा है। बीते दिनों दो ऐसे प्रकरण आये जिसका सबसे अधिक प्रभाव उत्तर प्रदेश में देखने को मिला। पहला मामला प्रयागराज से आया ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का और दूसरा मामला यूजीसी का । अगर यह मान लिया जाये कि शंकराचार्य का मामला यूपी में गरमाया तो यूजीसी का असर तो पूरे देश में होना चाहिए था लेकिन उसका भी सबसे अधिक विरोध उत्तर प्रदेश में ही दिखा. पूरे देश से विरोध की कोई तस्वीर नहीं दिखी। आखिर क्या यह सिर्फ संयोग है या फिर 2027 के चुनाव में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कुछ 'खेल' करने की साजिश क्योंकि दोनों मामलों पर न तो केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से कोई सफाई आयी और न ही संघ ने किसी भी तरह का वक्तव्य दिया। जाहिर है कि इसका असर जो भी होगा उसका सबसे अधिक प्रभाव उत्तर प्रदेश के 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर ही होगा। बीते लोकसभा चुनाव में भी यूपी से भाजपा को खासा नुकसान हुआ है लेकिन इस बार विधानसभा का चुनाव है और भाजपा का जो मूल वोट बैंक दृ ब्राह्मण, ठाकुर, कायस्थ, बनिया और भूमिहार है वह इस समय भाजपा से खासा नाराज है। भले ही यूजीसी पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगा दिया है लेकिन इस वर्ग में पार्टी को लेकर खासा आक्रोश है ।

पहले शंकराचार्य के मामले को लेते हैं । इस पर कोई मामला नहीं था लेकिन शंकराचार्य को 50 मीटर के लिए पैदल जाने की जिद करना और उसके बाद उनसे प्रशासन द्बारा यह मांग करना कि वह साबित करें कि वह शंकराचार्य हैं, इतने पर भी बात नहीं रुकी. पुलिस द्बारा उनके समर्थक साधु–संतों के साथ दुर्व्यवहार की जो तस्वीरें आयी, वह हर हिंदू के मन को उदास कर गयीं क्योंकि अभी तक उप्र का हर हिंदू उम्मीद करता था कि अगर साधु–संतों पर कोई बात आयेगी तो योगी आदित्यनाथ उसके साथ जरूर खड़ें होगे लेकिन इस मामले पर पुलिस की ज्यादती के बावजूद मुख्यमंत्री ने कोई दखल नहीं दिया और न ही पांच दिन धरने पर बैठे शंकराचार्य को मनाने के लिए कोई कोर–कसर ही करती सरकार दिखी। ऐसे में जब शंकराचार्य नाराज होकर चले गये तो अधिकारियों ने उनको मनाने की असफल कोशिश की जिसका और उल्टा असर हुआ जबकि इस मामले में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नरमी दिखायी और कहा कि शंकराचार्य के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था, बदले में शंकराचार्य ने भी केशव मौर्य की तारीफ कर दी। यही नहीं, गोवर्धन पीठ के स्वामी स्वामी निश्चलानंद सरस्वती और द्बारिका पीठ के स्वामी सदानंद सरस्वती ने भी शंकराचार्य के साथ खड़े होकर सहमति दिखायी जिसके बाद प्रशासन जागा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसलिए साफ कहा जा सकता है कि इस मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ की प्रखर हिंदुत्व की छवि पर आघात तो लगा। दूसरा प्रकरण यूजीसी का आया तो सबसे अधिक विरोध प्रदर्शन यूपी में ही होने लगे। कुछ अधिकारी भी इसमें खड़े हो गये और अपना इस्तीफा भेजकर रोंटियां सेकंने लगे। इन विरोध प्रदर्शन की आग इतनी बढ़ी कि यूपी में कई भाजपा नेताओं के इस्तीफे हो गये । कई भाजपा विधायकों ने तो खुलकर सरकार के विरोध का स्वर बुलंद कर दिया। कई विधायकों ने तो सरकार को मजा चखाने की चुनौती भी दे डाली। यह मुद्दा ऐसा बन गया कि मुख्यमंत्री ने इस पर खामोशी ओढ़ ली क्योंकि यह मुद्दा न तो उगलते बन रहा था और न ही निगलते। वह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इस मामले पर पहले ही दिन और पहली ही सुनवाई पर तत्काल प्रभाव से स्टे लगा दिया और योगी सरकार को होने वाले डैमेज कंट्रोल पर भी स्टे लग गया।

लेकिन स्टे के बावजूद सवर्ण वर्ग की नाराजगी अभी खत्म या कम होती नजर नहीं आ रही है। सवर्ण वर्ग का मानना है कि अभी स्टे हुआ है. सरकार की ओर से कानून को वापस नहीं लिया गया है। इसका मतलब है कि सरकार नहीं चाहती कि यह कानून खत्म हो, इसलिए लोग सरकार से नाराज हैं। दरअसल भाजपा पिछड़ों के वोट को साधने के लिए यूजीसी के सहारे ऐसा कानून लेकर आयी थी लेकिन पिछड़े तो सधे नहीं और जो अपने थे, वह भी बिखर गये। इस मुद्दे पर विपक्ष ने भी बड़े सधे तरीके से अपने बयान जारी किये। यूपी के मुख्य विपक्षी दल ने न इसका विरोध किया और न ही समर्थन बल्कि यह कहा कि कानून ऐसा होना चाहिए जिससे किसी का नुकसान न हो। मतलब साफ था कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने यह कोशिश कि वह सवर्ण वर्ग को संदेश दे सके कि देखो तुम जिस दल को वोट देते हो, वह भारतीय जनता पार्टी तुम्हारे साथ नहीं है और वह इसमें कामयाब भी हुआ।

नए नियम आए तो पहले ही दिन से पता चला गया था इसमें बवाल होगा। कौन शोषण करता है और कौन शोषित होता है उसमें से समान्य वर्ग को हटा दिया गया। कमेटी ने जो सिफारिशें की थीं, अंतिम गाइडलाइन उससे हटकर आईं। इस मामले में विशुद्ध राजनीति हो रही है। मुझे लगता है कि सरकार की मंशा भी इसमें राजनीति को साधन है। दोनों तरफ से इस पर जो राजनीति खेली जा रही है वो बहुत दुर्भाग्य पूर्ण है। इस कमेटी में रविशंकर प्रसाद और बांसुरी स्वराज जैसे बड़े वकील शामिल थे, क्या उन्हें इसका आभास नहीं हुआ। सरकार को बाद में समझ आया, लेकिन सरकार ने इस पर चुप्पी साधे रखी। ये गलत फैसला था। सरकार को इस पर खेद प्रकट करना चाहिए और इसे वापस ले लेना चाहिए। मुझे लगता है कि 2024 नतीजों के बाद भाजपा ने स्थायी राजनीति के लिए एक व्यवस्था सुनिश्चित करना चाहती थी। मुझे लगता है इसीलिए यह कदम उठाया गया।

अब सरकार के लिए ऐसी स्थिति हो गई है कि एक तरफ कुआं हैं और दूसरी तरफ खाई है। कानूनों का दुरुपयोग होता है। दहेज कानून बना तो उसका दुरुपयोग हुआ तो वो खत्म नहीं हुआ। इसी तरह दलित एक्ट का भी दुरुपयोग हुआ लेकिन इन कानूनों के फायदे भी हुए हैं। देखना यह पड़ेगा कि इस नियम को ठीक करने की बात हो रही थी या इन्हें खत्म करने की बात हो रही थी। ये मामला दुधारी तलवार वाला है. इस पर एक तरफा अप्रोच से काम नहीं चलेगा। कुछ भी हो लेकिन इन सभी मामलों पर अगर जल्दी कुछ न किया गया तो नुकसान योगी आदित्यनाथ का सबसे अधिक होगा।

माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि

–ललित गर्ग–

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से–महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ–सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबंधन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता।

विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन–चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि "माहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है" इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है।

न्यायालय ने शिक्षा को एक 'मल्टीप्लायर राइट' बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो– बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी–6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में "मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर" स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर–अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं। निजी स्कूलों द्वारा निर्देशों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके। माहवारी स्वच्छता केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसही जानकारी। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी के समय भय, भ्रम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली चुप्पी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेरे में लाती है। जब तक पुरुष–चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति–निर्माता, इस विषय को केवल "महिलाओं का मामला" मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है।

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख या अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर–सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय यदि ईमानदारी से लागू होता है, तो यह नीति और जमीन के बीच की खाई को पाटने में सहायक हो सकता है। यह भी विचारणीय है कि माहवारी स्वच्छता को केवल कल्याणकारी योजना न मानकर महिला अधिकारों के व्यापक ढाँचे में देखा जाए। स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और समानता का अधिकार–तीनों इस विषय से सीधे जुड़े हैं। एक ऐसी व्यवस्था जहाँ लड़की केवल इसलिए स्कूल न जा सके क्योंकि उसके पास सेनेटरी पैड नहीं हैं, वह व्यवस्था संविधान की आत्मा के विपरीत है। इसलिए यह फैसला सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूती देता है।

आज भारत "नए प्रवेश" के साथ आगे बढ़ने की बात करता है–डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखता है। किंतु यदि इस विकास की गाथा में महिलाओं की बुनियादी आवश्यकताएँ और सम्मान शामिल नहीं हैं, तो यह प्रगति खोखली सिद्ध होगी। वास्तविक विकास वही है जो सबसे कमजोर वर्ग की पीड़ा को समझे और उसे दूर करने का साहस रखे। माहवारी जैसे विषय पर खुली चर्चा उसी साहस का प्रतीक है। समाज में जन–जागृति लाना इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। कानून और आदेश दिशा दिखा सकते हैं, परंतु मानसिकता बदलना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मीडिया, शिक्षा संस्थान, धार्मिक और सामाजिक संगठन सभी को मिलकर माहवारी को लेकर फैली भ्रांतियों को तोड़ना होगा। इसे शर्म का नहीं, स्वास्थ्य और स्वाभिमान का विषय बनाना होगा। अंततः, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक शुरुआत है, मंजिल नहीं। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम इसे कितनी ईमानदारी से लागू करते हैं और कितनी संवेदनशीलता से अपनाते हैं।

सुहासिनी गांगुली :स्वातंर्त्य समर का अचर्चित क्रांतिकारी स्वर

–प्रमोद दीक्षित मलय–

आततायी, जुल्मी एवं दमनकारी अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष करने वाले मां भारती के पुत्र–पुत्रियों की एक लम्बी श्रंखला है। अनेकानेक क्रांतिकारी युवक–युवतियों ने पराधीनता की बेड़ियों से भारत माता को मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। हंसते–हंसते फांसी के फंदों को चूमा, सीने पर गोलियां खाई, जेलों में अंग्रेजों का अमानवीय व्यवहार एवं यातना की पीड़ा झेली, अनगिनत जुल्म–अत्याचार सहे, किंतु पल भर को भी अपने लक्ष्य से किंचित डिगे नहीं। सोते–जागते एकमेव लक्ष्य भारत की स्वतंत्रता हेतु बद्धपरिकर हो अहर्निश क्रांति साधना में जुटे रहे। क्रांतिकारियों के त्याग, तपस्या, संघर्ष, बलिदान एवं समर्पण से देश स्वतंत्र हो गणतंत्र बना। लाल किले से तिरंगा ध्वज ने नील गगन में फहरते हुए मानो अपनी स्वतंत्रता, सम्प्रभुता एवं गणतांत्रिक राज्य की उच्च स्वर में घोषणा कर क्रांतिकारियों के बलिदान एवं समर्पण की सराहना की। 15 अगस्त को देश को आजादी मिली और स्वतंत्रता आंदोलन में राजनीतिक संघर्ष करने वाले मुट्ठी भर नेता नायक बन चमक उठे, अपनी हर सांस एवं लहू का एक–एक कतरा आजादी की नींव में विसर्जित करने वाले असंख्य नायक नींव के अंधेरे में ही खो गये। आजादी के लिए सशस्त्र संघर्ष करने वाले क्रांतिकारी भुला दिए गये। अपवाद स्वरूप अंगुलियों में गिने जा सकने वाले क्रांतिकारियों के योगदान को छोड़ शेष समय की धूल में कहीं दब अचर्चित–अनचीन्हे ही रह गये। इन अचर्चित–अनचीन्हे क्रांतिकारियों की श्रंखला में चटगांव शस्त्रागार पर हमला करने वाले क्रांतिकारी दल का समन्वय करने वाली सुहासिनी गांगुली का क्रांतिधर्मी व्यक्तित्व लोक सम्मुख नहीं आ सका, जिन्हें आत्मीयता से लोग 'सुहासिनी दीदी' सम्बोधित कर अपनी श्रद्धा निवेदित करते थे।

आजीवन अविवाहित रह कर देश सेवा का व्रत धारण करने वाली क्रांतिकारी सुहासिनी गांगुली का जन्म 3 फरवरी, 1909 को बंगभूमि ढाका के निकट खुलना नामक स्थान पर हुआ था, जो अब बांग्लादेश अंतर्गत आता है। पिता अबिनाशचंद्र गांगुली एवं माता श्रीमती सरला सुंदरी देवी आधुनिक विचारों से प्रभावित बालिका शिक्षा के समर्थक थे। इस कारण बालिका सुहासिनी गांगुली की शिक्षा का उचित प्रबंध किया गया। वर्ष 1924 में ईडन हाईस्कूल से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण कर सुहासिनी 1927 में एक मूक–बधिर विद्यालय में शिक्षक बन कर कलकत्ता आ गईं। साथ ही उच्च शिक्षा हेतु अध्ययन का क्रम भी जारी रखा। यहीं कालेज में अध्ययन के दौरान सुहासिनी की भेंट ईडन हाईस्कूल की पूर्व छात्रा प्रीतिलता वाड्डेदार से हुई जो क्रांतिकारी संस्था युगांतर (जुगांतर) से जुड़ी थीं। फलतरू सुहासिनी भी युगांतर की सक्रिय सदस्य बन गयी। तब कालेज में ही छात्री संघ की दो सदस्य सहेलियों– कमला दासगुप्ता एवं बीना दास से घनिष्ठता बढ़ी, जो युगांतर संस्था से जुड़े क्रांतिकारियों को बाहर से मदद पहुंचाने का काम करती थीं। उनके माध्यम से सुहासिनी की भेंट रसिक दास तथा हेमंत तरफदार से हुई जो क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व करते हुए गुप्तरूप से युवक–युवतियों को तलवारबाजी एवं बम–पिस्तौल चलाने का प्रशिक्षण देते थे और आत्मरक्षा के तौर–तरीके सिखाते थे। सुहासिनी गांगुली ने रुचि लेकर जल्दी ही इनमें निपुणता प्राप्त कर ली। हालांकि क्रांतिकारी बहुत सावधानी रखते थे किंतु अंग्रेजी पुलिस और गुप्तचर भी भेद पाने के लिए पीछे पड़े रहते थे और किसी युवक–युवती के व्यवहार पर शंका होने पर चोरी–छिपे पीछा करते और आवश्यक जानकारी जुटा कर गिरफ्तार करते थे। सुहासिनी गांगुली के देशभक्ति पूर्ण व्यवहार एवं कालेज में की जा रही गतिविधियों से गुप्तचर लगातार पीछा करने लगे थे। तब साथियों की सलाह पर सुहासिनी गांगुली फ्रांसीसी नियंत्रण वाले क्षेत्र चंद्रनगर चली गईं, जहां पर ब्रिटिश पुलिस और गुप्तचर का भय न था। चंद्रनगर में सुहासिनी ने दिखाने एवं अंग्रेज गुप्तचरों को भ्रमित करने के लिए एक विद्यालय में शिक्षिका बन काम शुरू किया। एक क्रांतिकारी शशिधर आचार्य की छद्म पत्नी बनकर एक बड़ा दुमंजिला मकान किराये पर ले रहने लगे। अब यह भवन क्रांतिकारियों के ठहरने, योजना बनाने एवं क्रियान्वयन बाद मिलने की सुरक्षित जगह बन गया। क्रांतिकारियों का आना–जाना लगा रहता। 18 अप्रैल, 1930 को अंग्रेजों के हथियार, असलहा, बम–बारूद आदि रखने की सुरक्षित जगह चटगांव शस्त्रागार पर मास्टर सूर्यसेन के नेतृत्व में जोरदार हमला कर हथियार लूट लिए गये। कुछ क्रांतिकारी छिपने हेतु सुहासिनी गांगुली के पास चंद्रनगर पहुंच गये।द्द इसी बीच फ्रांस और इंग्लैंड के बीच संधि होने से ब्रिटिश पुलिस एवं गुप्तचर भी चंद्रनगर में फैल गये। वह सितम्बर महीने का एक सामान्य दिन था, किंतु आसमान काले बादलों से घिरा हुआ था, मानो किसी अनहोनी का संकेत दे रहे हों।द्द सुहासिनी के मकान में बैठे कुछ क्रांतिकारी योजना बनाने हेतु गुप्त बैठक कर रहे थे कि तभी अंग्रेज अधिकारी चार्ल्स टेगार्ट ने अपने गुप्तचर और भारी पुलिस बल के साथ मकान को चारों ओर से घेर कर गोलीबारी शुरू कर दी। अचानक हमले से क्रांतिकारी संभल नहीं पाये।द्दजीवन घोषाल गोली लगने से मौके पर ही स्वर्ग सिधार गये, कुछ घायल हुए। क्रांतिकारी साथी शशिधर आचार्य, सुहासिनी गांगुली, लोकनाथ, गणेश घोष और हेमंत तरफदार गिरफ्तार कर लिए गये। मुकदमा चलाकर जेल की सजा हुई।

इस तरह सुहासिनी गांगुली वर्ष 1932 से 1938 तक खड़गपुर के पास हिजली जेल में बंद रहीं। जेल से छूटने के बाद कम्युनिस्ट पार्टी में काम करना प्रारंभ किया। 1942 में गांधी जी के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भाग लेने वाले हेमंत तरफदार की भरपूर मदद करने पर अंग्रेजों ने फिर गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। वह 1945 में जेल से मुक्त हुईं। वह धनबाद में आश्रम बनाकर रहने वाले संन्यासी हो गये क्रांतिकारी हेमन्त तरफदार से मिलीं और संन्यासिनी की भांति रहते हुए लोक सेवा के काम में जुट गईं। देश आजाद हो चुका था। वह कलकत्ता प्रवास करतीं और लोक जागरण करतीं। आश्चर्य! पुलिस ने शांति भंग के आरोप में 1950 में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। जेल से छूटने के बाद सार्वजनिक जीवन से मोह भंग हो गया। 23 मार्च, 1965 को एक सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया।

सुहासिनी गांगुली के अतुल्य योगदान से देश लगभग अपरिचित रहा। न कोई चर्चा, न सम्मान और ही कोई डाक टिकट जारी हुआ कि भारत की भावी पीढ़ी उस महनीय क्रांतिधर्मी व्यक्तित्व से परिचित हो पाती। हालांकि कलकत्ता के एक उपनगर की एक गली का नाम 'सुहासिनी गांगुली सरणी' रखा गया है, पर उस गली से गुजरने वाले क्या सुहासिनी गांगुली के योगदान को जानते होंगे? यह एक प्रश्न उस गली के मुहाने पर उत्तर की प्रतीक्षा में बेचौन खड़ा होगा। सुहासिनी गांगुली की जन्म जयंती के अवसर पर हमारे श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

आई.ओ.डब्लू कार्यालय के सामने नाले में मिला युवक का शव

संवाददाता—गोंडा। जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में आई.ओ.डब्लू. कार्यालय के सामने बने नाले में एक 30 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची नगर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से मृतक युवक के शव को नाले से बाहर निकाला। मौके पर फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम को भी बुलाया गया। आवश्यक पंचनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही सहायक पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षु प्रदीप कुमार, सीओ सिटी आनंद राय और नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, जिसके लिए गोंडा नगर कोतवाली पुलिस और सेमरा चौकी की पुलिस सोशल मीडिया का भी सहारा ले रही है।

नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 30 साल बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस आसपास के लोगों से भी मृतक युवक के बारे में पूछताछ कर रही है और आगे की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की अन्य कार्यवाही गोंडा की नगर कोतवाली पुलिस द्वारा पूरे मामले में की जाएगी।

यूपी बोर्ड परीक्षा में इनविजिलेटर बीमारी का बहाना बनाकर नहीं ले सकेंगे छुट्टी

संवाददाता—महराजगंज। यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान कक्ष निरीक्षक और केंद्र व्यवस्थापक बीमारी का बहाना बनाकर ड्यूटी से अनुपस्थित नहीं हो सकेंगे। मेडिकल अवकाश केवल मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) की संस्तुति के बाद ही मान्य होगा। निजी अस्पताल या निजी चिकित्सक का मेडिकल प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। इस वर्ष जिले में यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 70,701 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इनमें हाईस्कूल के 38,961 और इंटरमीडिएट के 31,740 छात्र—छात्राएं शामिल हैं। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से कड़ी निगरानी की जाएगी, ताकि परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके।

परीक्षा ड्यूटी के लिए केंद्रवार कक्ष निरीक्षकों की सूची तैयार की जाएगी। इसका उद्देश्य यह है, कि यदि कोई निरीक्षक आकस्मिक रूप से अनुपस्थित होता है, तो तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था की जा सके। सीएमओ की अनुमति के बिना किसी भी कक्ष निरीक्षक को अवकाश नहीं मिलेगा, जिससे परीक्षा अवधि में मेडिकल छुट्टी लेना आसान नहीं होगा। पिछले वर्ष की भांति इस बार भी लगभग 20 प्रतिशत अतिरिक्त शिक्षकों को रिजर्व रखा जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर उनकी सेवाएं ली जाएंगी, ताकि परीक्षा कार्य प्रभावित न हो। परीक्षा ड्यूटी में राजकीय, अनुदानित एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को शामिल किया गया है।

विद्यालयों से प्राप्त शिक्षकों की संख्या के आधार पर ड्यूटी चार्ट तैयार किया जा रहा है, जिसमें शिक्षकों की उपस्थिति, विषय और अन्य आवश्यक बिंदुओं का सत्यापन किया जा रहा है।

यूपी बोर्ड परीक्षा को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्राथमिकता है। परीक्षा ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं कराई जाएंगी। मेडिकल अवकाश को लेकर सीएमओ स्तर से जारी प्रमाणपत्र ही स्वीकार किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। —प्रदीप कुमार शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक।

खुशनुमा यादों के साथ दसवीं बच्चों को दी विदाई

संवाददाता—गोण्डा। शिक्षा क्षेत्र मुजेहना के अलावल शाह एकेडमी में सोमवार को हाईस्कूल के छात्रों का विदाई कार्यक्रम सम्पन्न हुआ कक्षा नौ के छात्रों ने कक्षा दस के छात्रों को उपहार भेंट कर कामनाएं दीं । इस अवसर पर बच्चों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंजीनियर समीम खां शामिल हुए। उन्होंने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अच्छे भविष्य के लिए समय का विभाजन कर अपनी एक दिनचर्या बनाएं। दृढ़ निश्चय के साथ लक्ष्य निर्धारित कर मजबूती के साथ लग जाएं। प्रेरणा लेने के अब्राहम लिंकन, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, लाल बहादुर शास्त्री की जीवनी पढ़ें।

सीमा पर दो नेपाली युवक गिरफ्तार चुराए करोड़ों के जेवरात बरामद

संवाददाता—बहराइच। भारत—नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा चेकपोस्ट पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने दो नेपाली युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से करोड़ों रुपये के सोने और हीरे के जेवरात बरामद हुए हैं। ये युवक हैदराबाद से इन गहनों की चोरी कर भागे थे। एसएसबी की 42वीं वाहिनी के कमांडेंट गंगा सिंह उदावत ने बताया कि हैदराबाद के जुबली हिल्स थाना इंस्पेक्टर ने सूचना दी थी। उन्होंने बताया था कि दो नेपाली युवक करोड़ों रुपये के सोने, हीरे के जेवरात और कीमती नग चुराकर बहराइच के रास्ते नेपाल भागने की फिराक में हैं।

हैदराबाद पुलिस ने संदिग्धों की तस्वीरें भी साझा की थीं। इसके बाद रूपईडीहा चेकपोस्ट पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध नेपाली युवकों को रोका गया और उनकी तलाशी ली गई, जिसमें उनके पास से सोने की चूड़ियां, बेशकीमती नग और अंगूठियां बरामद हुईं।

गिरफ्तार किए गए दोनों नेपाली युवकों की पहचान कृष्णा चंद्र, निवासी जनपद करनाली, और भूपेंद्र शाही, निवासी आठाबीस, जिला दैलख, नेपाल के रूप में हुई है। दोनों युवकों को हैदराबाद पुलिस के निरीक्षक कविउद्दीन और उनकी टीम को सौंप दिया गया है।

भूमि विवाद में दुधमुंही बच्ची की मौत, शव लेकर एसपी कार्यालय पहुंची मां

संवाददाता—महराजगंज। भूमि विवाद को लेकर मारपीट और दुधमुंही बच्ची की मृत्यु का मामला सामने आया है। इलाज के दौरान बच्ची की मृत्यु के बाद उसकी मां सोमवार सुबह शव लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच गई। उसने आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। जिससे पुलिस कार्यालय में अफरा तफरी मच गई। आनन—फानन में एसपी आफिस पहुंची चौक पुलिस शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई। चौक थाना क्षेत्र के सिहुली परसा गांव निवासी पिंकी ने बताया कि उसकी जेठानी के नाम दर्ज मकान पर जबरन कब्जे की कोशिश को लेकर दो फरवरी की सुबह करीब 10 बजे गांव के कुछ लोग एकजुट होकर उनके घर पहुंच गए। आरोप है कि कब्जे का विरोध करने पर जेठानी के साथ मारपीट की गई। बीच—बचाव करने पहुंची उसके साथ भी अभद्रता की गई। अपशब्द कहे गए और घर में घुसकर उसे पीटा गया। पीड़िता के मुताबिक उसका बाल पकड़कर घसीटते हुए बाहर निकाला गया तथा घर में रखा सामान भी तोड़फोड़ दिया गया। पिंकी का आरोप है कि इसी दौरान उसकी गोद से दुधमुंही बच्ची को छीनकर खेत में फेंक दिया गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

गांव वालों के हस्तक्षेप से किसी तरह मामला शांत हुआ। लेकिन बच्ची की हालत लगातार बिगड़ती रही। इलाज के बाद सोमवार सुबह करीब 11 बजे जिला अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बच्ची के शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। जिला अस्पताल के चिकित्सकों से पूछताछ में बच्ची के लंबे समय से बीमार होने की जानकारी प्राप्त हुई है। घटना के दिन पीड़िता, उसकी जेठानी और जेठ के विरुद्ध चौक थाने में एससी—एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने 152 ग्राम प्रहरियों को साइकिलें बांटीं

संवाददाता—बलरामपुर। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने रविवार को जनपद के 14 थानों और रिजर्व पुलिस लाइंस के अंतर्गत कार्यरत 152 ग्राम प्रहरीध्ग्राम चौकीदारों को साइकिलें वितरित कीं। इस पहल से उनकी कार्यक्षमता और गति में वृद्धि होने की उम्मीद है।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ग्राम प्रहरी पुलिस व्यवस्था की रीढ़ हैं। ग्राम स्तर पर अपराध नियंत्रण और सामुदायिक पुलिसिंग में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। साइकिल वितरण का मुख्य उद्देश्य ग्राम प्रहरियों की कार्यक्षमता बढ़ाना, उनके स्वास्थ्य को बेहतर रखना और मनोबल को ऊंचा बनाए रखना है।

पुलिस अधीक्षक ने ग्राम प्रहरियों को सूचना तंत्र का मजबूत केंद्र बताते हुए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे अपने—अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें, आपराधिक तत्वों पर पैनी नजर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल संबंधित थाने को दें।

इस अवसर पर, पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि टॉर्च भत्ता, टॉर्च बैटरी भत्ता और अन्य आवश्यक सुविधाएं ग्राम प्रहरियों को समय पर उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कुल 152 साइकिलें कोतवाली नगर, कोतवाली देहात, गौरा चौराहा, ललिया, हर्रैया, महाराजगंज तराई, पचपेड़वा, तुलसीपुर, कोतवाली गैसड़ी, कोतवाली उतरौला, श्रीदत्तगंज, गैड़ास बुजुर्ग, रेहरा बाजार, सादुल्लानगर और रिजर्व पुलिस लाइंस के ग्राम प्रहरियों को वितरित की गईं। बैठक में एसपी ने पुनः स्पष्ट किया कि अपराध की रोकथाम तभी संभव है जब गांव—गांव तक पुलिस की सक्रिय मौजूदगी हो, जिसमें ग्राम चौकीदारों की भूमिका सबसे अहम है।

इस कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी उतरौला राघवेन्द्र प्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी ललिया डी.के. श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद बना सहारा दृष्टिहीन बुजुर्ग सुशीला को मिली तत्काल राहत

संवाददाता—गोण्डा। मंडलायुक्त कार्यालय परिसर में सोमवार को आयोजित मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद उस समय बेहद भावुक हो उठा, जब दृष्टिहीन बुजुर्ग दिव्यांग सुशीला देवी बुजुर्ग पति मोतीलाल के सहारे फरियाद लेकर पहुंचीं। कमजोर शरीर, थकी हुई आवाज और आंखों में बेबसी लिए सुशीला को जैसे ही महिला कर्मियों ने संभालकर बैठाया, वहां मौजूद हर व्यक्ति की नजरें उनकी पीड़ा पर टिक गईं। लेकिन यही मंच उनके लिए उम्मीद की नई किरण भी बना। सुशीला देवी ने कांपते हाथों से अपना प्रार्थना पत्र सौंपते हुए बताया कि श्रावस्ती जिले के इकौना तहसील स्थित पंडितपुरवा में कुछ दबंग लोग उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने रोते हुए कहा कि जमीन के सभी कागजात उनके नाम पर हैं, लेकिन उन्हें बिल्कुल दिखाई नहीं देता और परिवार में कोई सहारा भी नहीं है। पीड़िता की बात सुनते ही सुनवाई कर रहीं अपर आयुक्त मीनू राणा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल एसडीएम इकौना को फोन कर अवैध कब्जा रुकवाने का निर्देश दिया। इस त्वरित कार्रवाई से बुजुर्ग सुशीला के चेहरे पर राहत की झलक साफ दिखी। मानो वर्षों बाद उन्हें न्याय की उम्मीद मिली हो। इसी संवाद में मिश्रौलिया कानूनगो निवासी मीना के राशन कार्ड में छूटे हुए सदस्यों का नाम भी तुरंत जोड़ दिया गया। कार्यक्रम में कुल 17 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से दो का मौके पर निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 15 शिकायतें संबंधित विभागों को अग्रसारित कर दी गईं। मंडलायुक्त शशिभूषण लाल सुशील ने कहा कि मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद का उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाना है, ताकि उन्हें दर—दर भटकना न पड़े। इस दौरान वन स्टॉप सेंटर प्रभारी चेतना सिंह आदि मौजूद रहीं।

दो सेक्रेटरियों की ब्लाक में दूसरी बार तैनाती, उठ रहे सवाल

संवाददाता—देवरिया। जिला पंचायत राज अधिकारी ने रामपुर कारखाना ब्लाक में दो ग्राम पंचायत अधिकारियों को दूसरी बार इसी ब्लाक में तैनाती कर दी है। इसमें एक ग्राम पंचायत विकास अधिकारी करीब 15 साल और दूसरे 7 सात इसी ब्लाक में रहे हैं जबकि एक सेक्रेटरी पर 40 हजार गबन करने पर वेतन से कटौती भी हुई है। इसकी शिकायत एक व्यक्ति ने शपथ पत्र के साथ डीएम से किया है। रामपुर कारखाना विकास खण्ड में ग्राम पंचायत अधिकारी अजय गुप्ता वर्ष 2003—04 से जून—2017 तक तैनात रहे। उन पर मुण्डेरा मिश्र ग्राम पंचायत में 40 हजार का गबन करने पर उनके वेतन से कटौती की गयी और प्रतिकूल प्रविष्टि दी गयी। इसी तरह से ग्राम पंचायत अधिकारी सिराजुल हक वर्ष 2010 से जून—2017 तक रामपुर कारखाना ब्लाक में तैनात रहे। डीपीआरओ ने ग्राम पंचायत अधिकारी अजय गुप्ता व सिराजुल को पिछले साल दूसरी बार रामपुर कारखाना ब्लाक में तैनात कर दिया गया। सालों तक ब्लाक में रहे दोनों ग्राम पंचायत अधिकारियों को दूसरी बार तैनात करने की रामपुर कारखाना ब्लाक के करनपुर पचफेड़ा निवासी अलकेन्द्र राव ने शपथ पत्र के साथ पिछले साल डीएम से जनता दर्शन में किया। डीपीआरओ ने उनकी शिकायत को सेवा संबंधी मामले से संबंधित बताकर निस्तारण किया जाना संभव नहीं है लिखकर निस्तारित कर दिया। शनिवार को तहसील दिवस में अलकेन्द्र राव ने इसकी शिकायत डीएम से कर दोनों ग्राम पंचायत अधिकारियों को दूसरे ब्लाक में तबादला करने की मांग की।

अखंड रामायण पाठ के उपरांत महारानी रेस्टोरेंट का उद्घाटन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या ।धार्मिक वातावरण और श्रद्धा के बीच चौबीस घंटे के अखंड रामायण पाठ के समापन के पश्चात अयोध्या बाईपास स्थित महारानी रेस्टोरेंट का विधिवत उद्घाटन किया गया। रेस्टोरेंट का शुभारंभ ग्राम प्रधान देवरिया सुनील कुमार पाण्डे द्वारा किया गया ।उद्घाटन अवसर पर विधिविधान से पूजन—अर्चन के साथ रामायण पाठ की पूर्णाहुति हुई, जिसके बाद रिबन काटकर रेस्टोरेंट का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।महारानी रेस्टोरेंट में शुद्ध शाकाहारी भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। यह भोजनालय विशेष रूप से अयोध्यावासियों तथा अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया है। रेस्टोरेंट प्रबंधन के अनुसार यहां स्वच्छ वातावरण में गुणवत्तापूर्ण, स्वादिष्ट एवं सात्विक शाकाहारी भोजन उचित मूल्य पर उपलब्ध कराया जाएगा। उद्घाटन के दौरान ग्राम प्रधान सुनील कुमार पाण्डे ने कहा कि अयोध्या एक प्रमुख धार्मिक नगरी है, जहां प्रतिदिन देश—विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक आते हैं। ऐसे में शुद्ध, सात्विक और भरोसेमंद भोजन की आवश्यकता को देखते हुए महारानी रेस्टोरेंट की शुरुआत की गई है, जिससे लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके ।स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बाईपास क्षेत्र में शुद्ध शाकाहारी भोजनालय के खुलने से यात्रियों और श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी।

संपूर्णता अभियान का शुभारंभ

संवाददाता—बलरामपुर। आकांक्षी जिला और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 'संपूर्णता अभियान' का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है और यह 14 अप्रैल तक चलेगा। यह जनभागीदारी, नवाचार और विभिन्न विभागों के समन्वय से जिले को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

अभियान का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी और मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज परिसर से किया। इस अवसर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल संसाधन और वित्तीय समावेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निर्धारित संकेतकों की शत—प्रतिशत संतृप्ति के लिए विभागवार कार्ययोजनाएँ प्रस्तुत की गईं। इनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य प्रतिभागियों को जिले व ब्लॉक को स्वस्थ, समर्थ और समृद्ध बनाने की शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने जोर दिया कि 'संपूर्णता अभियान' को केवल एक सरकारी कार्यक्रम के बजाय जनआंदोलन के रूप में चलाया जाएगा, ताकि सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो सके।

इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी, उपनिदेशक कृषि, जिला कार्यक्रम अधिकारी, सभी सीडीपीओ और खंड विकास अधिकारी सहित कई विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने अभियान को सफल बनाने और बलरामपुर को विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का संकल्प लिया।

हत्या का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस ने एक हत्या के मामले का सफल अनावरण करते हुए वांछित अभियुक्त कृष्ण कुमार मौर्या को आलाकत्ल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर थाना प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह के नेतृत्व में की गई।

पुलिस के अनुसार, 4 फरवरी 2026 को मुरावनपुरवा, मजरा मछरिहवा निवासी एक महिला ने थाना कोतवाली भिनगा में तहरीर दी थी। उसने आरोप लगाया था कि अभियुक्त कृष्ण कुमार मौर्या ने उसके पिता कल्लू की हत्या कर दी है। इस तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

विवेचना के दौरान सोमवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली।

इसके आधार पर अभियुक्त को अंटा तिराहा, राजपुर रोड के पास जंगल में कच्ची सड़क से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सना लकड़ी का फट्टा बरामद किया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त डिस्कवर मोटरसाइकिल संख्या यूपी 46 ए 0956 और एक की—पैड मोबाइल भी कब्जे में लिया गया है।

पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि 30 जनवरी 2026 की रात करीब 9 बजे वह मृतक कल्लू को मोटरसाइकिल से घर से ले गया था। गांव के बाहर शराब पिलाने के बाद पैसों को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान अभियुक्त ने पहले कल्लू को धक्का दिया, फिर लकड़ी के फट्टे से उसके सिर पर वार किया और बाद में गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को नाले में फेंक दिया गया था।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक कल्लू के माता—पिता और पत्नी की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। वह टिक्की चाउमीन बेचकर परिवार का भरण—पोषण करता था। उसके तीन बेटियां और दो बेटे हैं, जिनमें एक बेटी विवाहित है, जबकि शेष बच्चे नाबालिग हैं। कल्लू शराब पीने का आदी था। पुलिस द्वारा अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिसकर्मियों को पिकअप से रौंदने के प्रयास का आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता—देवरिया। पिकअप वाहन से पुलिसकर्मियों को रौंदने के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आजमगढ़ जिले के 20 हजार रुपये के इनामी गोतस्कर को बरहज पुलिस ने सोमवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ढाई माह से उसकी तलाश कर रही थी। गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। आजमगढ़ जिले के अहिरौला थाना क्षेत्र के सोफीगढ़ गांव निवासी राशिद पुत्र आलमगीर उर्फ बिस्कुट को पुलिस ने बरहज रेलवे स्टेशन के पास से उस समय दबोचा, जब वह फरार होने की फिराक में था।

पुलिस के अनुसार, 26 नवंबर 2025 को मदनपुर की ओर से आ रही एक पिकअप को पुलिस ने कपरवार तिराहे पर बैरियर लगाकर रोकने का प्रयास किया था। पिकअप तिरपाल से ढकी हुई थी। बैरियर के नजदीक पहुंचते ही चालक ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और जान से मारने की नीयत से पुलिसकर्मियों को रौंदने का प्रयास करते हुए बैरियर को टक्कर मार दी।

पुलिस ने पीछा कर बरहज के रगड़गंज के पास पिकअप को पकड़ लिया। वाहन से छह जीवित एवं एक मृत गोवंश बरामद किए गए। मौके से आजमगढ़ जिले के अहिरौला थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव निवासी चालक प्रिंस कुमार पुत्र हरीराम को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि राशिद और उसी गांव का अब्बास मौके से फरार हो गए थे। तभी से पुलिस दोनों आरोपितों की तलाश में जुटी थी। गिरफ्तार आरोपित राशिद के विरुद्ध जनपद देवरिया के बरहज थाना सहित आजमगढ़ जिले के तहबरपुर एवं अहिरौला थानों में गोवध निवारण अधिनियम, आर्म्स एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मौर्य ने बताया कि आरोपित गोतस्कर फरार चल रहा था। उसे पकड़ने में टीम को कामयाबी मिली है।

ट्रैक्टर ट्रॉली से भिड़ी बाइक, दो लोगों की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। बाइक सवार सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गए। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसा सिरसिया थाना क्षेत्र के डगमरा नाले के निकट हुआ। क्षेत्र के ही मधवापुर गांव निवासी रामतीरथ ने बताया कि उसका भतीजा शिवम वर्मा (18) रविवार को बलरामपुर जिले के हर्रैया क्षेत्र के अतरपरी गांव वैवाहिक समारोह में शामिल होने गया था। देर शाम कुछ सामान लेने के लिए लवधेश यादव (16) के साथ बाइक से सिरसिया बाजार आ रहा था।

डगमरा नाले के निकट सामने से आ रहे ट्रैक्टर—ट्रॉली से बाइक टकरा गई। इससे शिवम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, लवधेश गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सिरसिया सीएचसी पहुंचाया। यहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला चिकित्सालय, भिनगा के लिए रेफर कर दिया। भिनगा में भी उसकी हालत में सुधार न होने से चिकित्सकों ने उसे बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

बहराइच ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसके मृत होने की पुष्टि की। साथ ही पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, लवधेश के शव का पोस्टमार्टम बहराइच में किया जा रहा है। शिवम के दादा झब्बर की तहरीर पर अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में लेकर जांच में जुटी है।

अयोध्या धाम में सप्तम अश्वमेघ महायज्ञ का शुभारंभ करुणा और भक्ति का हुआ अद्भुत दर्शन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या ।अयोध्या धाम में आयोजित सप्तम अश्वमेघ महायज्ञ में भक्तिभाव और आध्यात्मिक चेतना का विराट संगम देखने को मिला। महायज्ञ में कोलकाता की पावन भूमि से पधारे सदगुरु महाराज के कृपा पात्र, बालाचार्य बैरशवरा नन्द जी महाराज ने अपने ओजस्वी और भावपूर्ण प्रवचन से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया ।सदगुरु जी महाराज के सानिध्य में बालाचार्य ने रामचरितमानस के अत्यंत मार्मिक कागभुषुण्डि प्रसंग पर गूढ़ आध्यात्मिक विवेचना प्रस्तुत की। उन्होंने माता सीता पर प्रहार करने वाले काग और उसके कागभुषुण्डि बनने की कथा के माध्यम से भक्ति, विनय और करुणा के गहरे रहस्यों को उजागर किया ।बालाचार्य ने कहा कि कागभुषुण्डि कोई साधारण पात्र नहीं, बल्कि आत्मा की यात्रा का प्रतीक है। यह प्रसंग सिखाता है कि बिना विनय के भक्ति अधूरी है और सूक्ष्म अहंकार भी पतन का कारण बन सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि माता सीता पर प्रहार करने वाला काग केवल अपराधी नहीं, बल्कि अहंकार का प्रतीक था ।प्रवचन में बताया गया कि प्रभु श्रीराम के तेज से व्याकुल होकर जब काग को कहीं शरण नहीं मिली, तब उसने माता सीता के चरणों में गिरकर क्षमा याचना की। इस प्रसंग का केंद्रीय संदेश देते हुए बालाचार्य ने कहा जहाँ न्याय समाप्त होता है, वहीं करुणा आरंभ होती है ।माता सीता की करुणा से प्रभु श्रीराम ने दंड को दया से परिष्कृत किया। काग की एक आँख गई, किंतु उसका जीवन बचा और उसे भक्ति का वरदान प्राप्त हुआ। आगे चलकर वही काग कागभुषुण्डि बना, जिसने नारद जी जैसे महर्षियों को भी रामकथा का उपदेश दिया ।प्रवचन के अंत में बालाचार्य ने श्रोताओं से आत्ममंथन का आह्वान करते हुए कहा कि रामराज्य की न्याय—व्यवस्था दंड नहीं, बल्कि सुधार और उद्धार का मार्ग प्रशस्त करती है। उनका यह प्रवचन केवल कथा नहीं, बल्कि करुणा, भक्ति और प्रभु—कृपा का जीवंत दर्शन बन गया, जिसने सप्तम अश्वमेघ महायज्ञ के प्रथम दिवस को अविस्मरणीय बना दिया।

बोलेरो और ई–रिक्शा में जोरदार टक्कर, एक की दर्दनाक मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। तेज गति से आ रही बोलेरो व ई–रिक्शा में जोरदार भिड़ंत हो गई। घटना में घटना में थाना कठेला के गुरौवाजोत निवासी ई–रिक्शा चालक 22 वर्षीय दिलशाद पुत्र इसरार की मृत्यु हो गई। वहीं रिक्शे में सवार दो महिलाओं और बोलेरो चालक घायल हो गए। हादसा सोमवार को इटवा–बढ़नी–मार्ग पर ग्राम घोपलापुर के पास हुई। जानकारी के अनुसार दिलशाद, ई–रिक्शा पर सवारी बैठाकर इटवा की तरफ आ रहा थे। जबकि शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के मसिना निवासी बोलेरो चालक 45 वर्षीय जय प्रकाश वाहन लेकर इटवा की ओर से जा रहे थे। इसमें पांच लोग सवार थे। घोपलापुर के पास दोनों में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई– क्शा के परचक्खे उड़ गए और बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में रिक्शा चालक की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। जबकि उसमें बैठी 45 वर्षीय उर्मिला निवासी मधवा नगर थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर व खानकोट सेमरी निवासी 38 वर्षीय सुशीला गंभीर रूप से घायल हुईं। बोलोरो चालक जय प्रकाश को भी चोट आई। तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटवा में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां प्रथम उपचार के बाद तीनों को मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर के लिए रेफर कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में एक की मृत्यु हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। मृतक दिलशाद परिवार में तीन बहनों पर इकलौता लड़का था। ई–रिक्शा चलाकर घर वालों का जीवकोपार्जन करता था। हादसे में इकलौता चिराग बुझ गया। मौत की खबर स्वजन को हुई तो कोहराम मच गया।

संग्रह अमीन से मारपीट मामले ने राजस्व कर्मियों ने दिया धरना

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नौगढ़ तहसील क्षेत्र में सरकारी बकाया वसूली के दौरान संग्रह अमीन से मारपीट का मामला अब तूल पकड़ गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज उत्तर प्रदेश राजस्व संग्रह अमीन संघ ने सोमवार को धरना–प्रदर्शन किया।

यह घटना तब हुई जब संग्रह अमीन सरकारी बकाया वसूली के लिए गए थे। वायरल वीडियो में योगी–मोदी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए संग्रह अमीन के साथ मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने की बात सामने आई है।

सोमवार को उत्तर प्रदेश राजस्व संग्रह अमीन संघ के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में सिद्धार्थनगर कलेक्ट्रेट परिसर में यह धरना–प्रदर्शन किया गया। इसमें जनपद की विभिन्न तहसीलों से आए दर्जनों संग्रह अमीन शामिल हुए और प्रशासन के प्रति अपना रोष व्यक्त किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि आरोपियों पर त्वरित और सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

संग्रह अमीन संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि संग्रह अमीन शासन के निर्देश पर बैंकों के बकाया की वसूली और कुर्की जैसी वैधानिक कार्रवाई करते हैं। ऐसी घटनाएं न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल उठाती हैं, बल्कि कर्मचारियों की जान–माल की सुरक्षा को भी खतरे में डालती हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि वीडियो में स्पष्ट मारपीट के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वक्ताओं ने यह भी कहा कि यदि सरकारी कर्मचारी सुरक्षित नहीं होंगे, तो राजस्व वसूली जैसे संवेदनशील कार्य प्रभावित होंगे। संघ ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी सरकारी कर्मचारियों के साथ ऐसी हरकत करने का साहस न कर सके।

इस पूरे मामले पर मोहाना थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है और वायरल वीडियो तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि आरोपियों को बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रभारी मंत्री ने केंद्रीय बजट 2026–27 को बताया ऐतिहासिक

संवाददाता–संतकबीरनगर। प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने केंद्रीय बजट 2026–27 को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा

कि यह बजट समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। मंत्री ने यह बात कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने बताया कि रू 53,47,315 करोड़ का यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में 7.7 प्रतिशत अधिक है। मंत्री गौतम के अनुसार, यह वृद्धि देश की मजबूत अर्थव्यवस्था और दूरदर्शी सोच को दर्शाती है।बजट में महिलाओं को श्लखपति दीदीश से आगे बढ़कर उद्यमी बनाने की ठोस योजना शामिल है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनेंगी और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में कैंसर सहित 10 गंभीर बीमारियों के इलाज को सस्ता और सुलभ बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, मध्यम वर्ग को आयकर में छूट देकर उनकी क्रय शक्ति बढ़ाने का भी प्रावधान किया गया है।मंत्री ने कहा कि सेमी–कंडक्टर, रक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में बड़े निवेश से देश की औद्योगिक क्षमता को नई गति मिलेगी। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।विपक्ष द्वारा बजट को ष्झुनझुनाष बताए जाने पर पलटवार करते हुए मंत्री ने कहा कि दशकों तक देश को गुमराह करने वाला विपक्ष आज विकास की रफ्तार देखकर बौखला गया है। उन्होंने जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की मजबूत नींव रखता है।

इस अवसर पर सदर विधायक अंकुर राज तिवारी, मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी, धनघटा विधायक गणेश चंद चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष नीतू सिंह और एडीएम वित्त जयप्रकाश सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–651/2020
दूधनाथ
बनाम
श्रीमती उर्मिला आदि
1. शिवनाथ पुत्र दयाराम साकिन जिवधरपुर राय तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
2. शिवाजी पुत्र बाबूराम 3. परमेसरा पत्नी बाबूराम साकिन जिवधरपुर राय तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 19–02–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 02 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 460/2025
थाना–सोनहा
जिला–बस्ती
पिंका शर्मा
बनाम
रजनीश आदि
1. रजनीश उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र सीताराम 2. निर्मला उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी सीताराम 3. मनीष उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र सीताराम साकिनान हरिहरपुर थाना सोनहा जिला बस्ती
–विपक्षीगण

तारीख पेशी 20–02–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 20 मास 02 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

फाल्ट ठीक करने बिजली पर पोल पर चढ़ा संविदाकर्मी, करंट के झटके से गिरा नीचे, मौत

संवाददाता–गोरखपुर। जानकारी के अनुसार संविदा कर्मी राजू तिवारीपुर क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन के पोल पर फाल्ट ठीक करने के लिए चढ़ा था। इसी दौरान अचानक उसे करंट लग गया। करंट लगते ही उसका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वह नीचे गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। साथियों ने आनन–फानन में उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे बचा नहीं सके। तिवारीपुर उपकेंद्र क्षेत्र में सोमवार दोपहर 11 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक संविदा बिजली कर्मी की मौत हो गई। करंट लगने के बाद पोल से नीचे गिरने पर उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जानकारी के अनुसार संविदा कर्मी राजू तिवारीपुर क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन के पोल पर फाल्ट ठीक करने के लिए चढ़ा था। इसी दौरान अचानक उसे करंट लग गया। करंट लगते ही उसका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वह नीचे गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।

साथियों ने आनन–फानन में उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे बचा नहीं सके। मृतक राजू को मर्चरी में ले जाने के बाद परिजन वहां हंगामा करने लगे। जिला अस्पताल की मर्चरी के पास काफी भीड़ लग गई। परिजन की ओर से मर्चरी का ताला खुलवाने की भी बात की जा रही थी।

मामले में बक्शीपुर के अधिशासी अभियंता अतुल रघुवंशी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार संविदा कर्मचारी बिना शटडाउन लिए पोल पर चढ़ गया था, जिसके कारण हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि घटना की जांच बिजली निगम और विद्युत सुरक्षा निदेशालय द्वारा कराई जाएगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

'जी राम जी' योजना पर बैठक, अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर

संवाददाता–संतकबीरनगर। बघौली विकासखंड सभागार में सोमवार को 125 दिन की गारंटी है 'जी राम जी' योजना को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र प्रताप सिंह और खंड विकास अधिकारी अर्जित प्रकाश ने फ्लैश प्रेजेंटेशन के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना है। इसके तहत 125 दिनों के भीतर विकास कार्यों की प्रगति, रोजगार सृजन, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने ग्राम स्तर पर प्रधानों, रोजगार सेवकों और संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया। खंड विकास अधिकारी अर्जित प्रकाश ने योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट, लक्ष्य और समयबद्ध पूर्णता पर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्यों की नियमित निगरानी के साथ गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए। इस दौरान एपीओ, टीए, रोजगार सेवक और प्रधानगण भी मौजूद थे।

कक्षा 9 की छात्रा रहस्यमय ढंग से लापता, मां ने कराया केस

संवाददाता–गोरखपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव से कक्षा 9 में पढ़ने वाली 12 वर्षीय छात्रा के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। छात्रा परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने गांव के दो लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की मां की तहरीर के अनुसार उनकी 12 वर्षीय बेटी क्षेत्र के एक विद्यालय में कक्षा नौ की छात्रा है। सात फरवरी की सुबह करीब नौ बजे वह परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी, लेकिन दोपहर तीन बजे तक नहीं लौटी।

परिजनों ने जब उसकी तलाश रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। मां की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने गांव निवासी धीरज गौड़ एवं उसकी मां के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 351(2) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। किशोरी की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है और संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जा रही है।

एक सप्ताह से लापता बुजुर्ग का शव आमी नदी में मिला

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामपुर गरथौली निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग सिमिरित का शव सोमवार को फरसाडाड पुल के नीचे आमी नदी में उतराता हुआ मिला। शव मिलने की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया। सिमिरित हरिजन बीते तीन फरवरी की रात करीब 11 बजे घर से निकले थे, जिसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं लग सका था। परिजनों ने काफी तलाश के बाद हरपुर बुदहट थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। एक सप्ताह बाद नदी में शव मिलने से परिजन स्तब्ध रह गए। सोमवार को ग्रामीणों ने पुल के नीचे नदी में शव उतराते देखा तो शोर मच गया। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान सिमिरित हरिजन के रूप में की। इसके बाद तत्काल पुलिस को जानकारी दी गई। परिजनों ने बताया कि बुजुर्ग का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था, जिसके चलते वह अक्सर बिना बताए घर से निकल जाते थे। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष विवेक कुमार मिश्र ने पुलिस बल के साथ शव को नदी से बाहर निकलवाया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

दो कारों में आमने–सामने की टक्कर, महिला की मौत, पांच लोग घायल

संवाददाता–अयोध्या। प्रयागराज–अयोध्या हाईवे पर सोमवार की तड़के करीब 4 बजे हादसा हो गया। यहां बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के मंगारी बिसुही नदी पुल चौरे बाजार के पास दो एसयूवी कारों में आमने–सामने की टक्कर हो गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। जबकि, दोनों वाहनों में सवार करीब पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि संचार बिहार आईटी कॉलोनी, मनकापुर, गोंडा निवासी दिनेश चंद्र (56) अपनी पत्नी सीमा रानी (55) के साथ प्रयागराज वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां से टाटा सफारी से रात में वापस घर लौट रहे थे। मगारी विसुही नदी पुल के समीप सामने से आ रही एसयूवी टाटा पंच वाहन से टक्कर हो गई। दुर्घटना में सीमा रानी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, उनके पति दिनेश चंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं टाटा पंच वाहन में सवार गाजीपुर जनपद के अरशदपुर जंगीपुर निवासी जीत नारायण (32), रवि पांडेय (46) और विशाल विश्वकर्मा (38) गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अन्य को भी हल्की चोट आई है। बताया गया कि घायल अयोध्या दर्शन पूजन करने गए थे। जानकारी मिलने पर पीआरबी पुलिस के अलावा कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। सभी को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बीकापुर भेजा।

इमरजेंसी में मौजूद चिकित्सक डॉ अनुराग गुप्ता ने जांच के बाद सीमा रानी के मृत होने की पुष्टि की। घायलों को मेडिकल कॉलेज, दर्शन नगर के लिए रेफर कर दिया। मृतका के परिजन रोते बिलखते अस्पताल पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि घायलों को जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। क्षतिग्रस्त वाहनों को हाईवे के किनारे करवाया गया है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 15/2026
न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
1. नुरूल्लाह खान उम्र करीब 48 वर्ष 2. मो0 अमीरूल्लाह खान उम्र लगभग 46 वर्ष 3. वसीउल्लाह उम्र करीब 26 वर्ष 4. महेबुल्लाह उम्र करीब 32 वर्ष पुत्रगण स्व0 मो0 हुसेन समस्त वालिग ग्राम कौलपुर ग्रान्ट तप्पा सहिला परगना व तहसील नौगढ़ पोस्ट भिटपरा थाना लोटन जिला सिद्धार्थनगर
–प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट
विपक्षी

तारीख पेशी– 24.02.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पिता/पुत्र मृतक मो0 हुसैन को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 02 के 24 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 02 के 07 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 59/2017
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर
श्रीमती इन्द्रावती
बनाम
राजाराम आदि
1. राजाराम उम्र लगभग 60 वर्ष 2. दयाराम उम्र लगभग 55 वर्ष 3. रामवृक्ष उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्रगण रामकुमार साकिन मैनखाही तप्पा ऊटापार पोस्ट उसका बाजार परगना व तहसील नौगढ़ जनपद–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 24–02–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **24–02–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 09.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0–C 202417000000454
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती
काली प्रसाद
बनाम
छत्तीस आदि
1. छत्तीस पुत्र भरथू 2. सुग्रीम पुत्र सहविल 3. श्रीमती कौशिल्या पत्नी वीरेन्द्र 4. सुरेन्द्र पुत्र छत्तीस 5. श्रीमती ठकुरी पत्नी स्व0 बलेसर 6. जसवन्त पुत्र बलेसर 7. श्रीमती कुशलावती पत्नी ब्रहमादीन 8. फुलचन्द्र पुत्र भुल्लुर साकिनान मौजा भोयर उपाध्याय तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 9. ग्राम पंचायत हथिया जरिये प्रधान निवासी हथिया तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 10. भू0प्र0 समिति हथिया जरिये अध्यक्ष निवासी हथिया तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 13–02–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 13 महीना 02 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–445/2025
मनीराम आदि
बनाम
अरूण कुमार उर्फ राहुल आदि
1. अरूण कुमार उर्फ राहुल उम्र लगभग 30 वर्ष 2. अश्वनी उर्फ बबुन्ने उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्रगण स्व0 संतराम 3. विपिन कुमार उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र रामकरन समस्त निवासीगण भुड़ली तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. रामलोचन उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र रामनेवाज निवासी भुड़ली तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 18–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

आरसीसी पब्लिक स्कूल में फेयरवेल के आयोजन में छात्रों को दी विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को आरसीसी पब्लिक स्कूल में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य फेयरवेल समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर पूरी तरह उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ विद्यार्थियों के पारंपरिक स्वागत के साथ हुई, जिसमें जूनियर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उन्हें स्नेह और आत्मीयता के साथ सम्मानित किया। पूरे दिन विद्यालय में उल्लास, उमंग और उत्साह का माहौल बना रहा।

फेयरवेल समारोह को यादगार बनाने के लिए विविध सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित सभी का मन मोह लिया। इसके साथ ही क्विज प्रतियोगिता और कई रोचक खेलों का आयोजन भी किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान हंसी–मजाक, तालियों और उत्साह से भरे क्षणों ने वातावरण को और भी जीवंत बना दिया।

समारोह का मुख्य आकर्षण मिस्टर और मिस फेयरवेल का चयन रहा। इस दौरान स्नेहा पटेल को मिस फेयरवेल और सनी कन्नौजिया को मिस्टर फेयरवेल के खिताब से सम्मानित किया गया। इन दोनों विद्यार्थियों ने अपने व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त अन्य विद्यार्थियों को भी उनकी विशेष प्रतिभाओं और उपलब्धियों के आधार पर विभिन्न उपाधियों से नवाजा गया।

समारोह में विद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक शैलेश चौधरी ने कक्षा 12 के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रेरणादायी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह विदाई किसी अंत का संकेत नहीं, बल्कि जीवन की एक नई और उज्ज्वल शुरुआत है। सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र और निरंतर परिश्रम से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने और हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना करने की प्रेरणा दी।

विद्यालय की उप–प्रधानाचार्या ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विद्यालय में बिताए गए ये वर्ष जीवनभर उनकी स्मृतियों में रहेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से हमेशा अपने विद्यालय और शिक्षकों का सम्मान बनाए रखने का संदेश दिया।

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com